Report of
NATIONAL CONFERENCE
ON

ENVIRONMENT, WATER, AGRICULTURE, SUSTAINABILITY AND HEALTH (EWASH-2023): STRATEGIZING A GREENER FUTURE

&

5th Annual Meet of STE

22nd - 23rd December, 2023

At

SWAMI RAMA HIMALAYAN UNIVERSITY

Jolly Grant, Dehradun, Uttarakhand

"Protect the blue and green Make the Earth pristine"

Jointly organized by



SWAMI RAMA HIMALAYAN UNIVERSITY

Jolly Grant, Dehradun, Uttarakhand

&



Save The Environment

(A Society for Research Awareness and Social Development) **Kolkata / Gurugram**



National Conference on Environment, Water, Agriculture Sustainability and Health (EWASH 2023) was jointly conducted by SWAMI RAMA HIMALAYAN UNIVERSITY, Jolly Grant, Dehradun and SAVE THE ENVIRONMENT (STE), Kolkata on 22nd to 23rd December 2023. It was the 5th Annual Meeting of STE. The National Academy of Sciences, Prayagraj, Uttar Pradesh and D.A.V. (PG) COLLEGE DEHRADUN, UTTARAKHAND were the co-sponsor for this event. The theme of the the event was "Protect the blue and green Make the Earth pristine."

Dr. Kshipra Mishra (President STE) discussed about a synchronized approach taking multidisciplinary aspects forms the core of adaptation to climate change and serves as a crucial link between climate systems, human society, and the environment. Further she mentioned that addressing concerns and potential measures to create a resilient protocol for environment and water management is the crucial need of the hour. Sustainable solutions and appropriate guidelines to improve human health is the key to an accentuated society.

She also thanked **Dr. Rajendra Dobhal**, Vice Chancellor, Swami Rama Himalayan University, Jolly Grant; Patrons of EWASH-2023 **Prof. Arunabha Majumder**, Emeritus Professor, Jadavpur University, Kolkata & Former Director, AllHPH, Kolkata and **Dr. Vijay Dhasmana**, Chancellor, Swami Rama Himalayan University, Jolly Grant, Dehradun; Convener **Dr. Sanjay Gupta**, Principal, Himalayan School of Bioscience, Swami Rama Himalayan University, Jolly Grant, Dehradun; Co-conveners **Mrs. Chhanda Basu**, General Secretary, STE and **Mr. Sanjit Mitra**, Treasurer STE; Coordinator **Prof. Prashant Singh**, Dept. of Chemistry, D.A.V. Post Graduate College Dehradun, Dehradun, Uttarakhand and Vice President, Save The Environment, Uttarakhand Chapter and the entire organizing committee for their whole hearten and dedicated commitment in organizing the conference.

Prof. Arunabha Majumdar, Chairman, Indian Water Works Association (IWWA) and Ex Director, Professor & Head, Department of Sanitary Engineering, AIIH&PH, Kolkata and Guest Professor, School of Water Resources Engg., Jadavpur University, also graced the occasion as patron. Prof. Majumdar greatly appreciated the work and efforts done by the organizing committee and lauded the successful completion of the conference.

Dr. Vijay Dhasmana, Chancellor, Chancellor, Swami Rama Himalayan University, welcomed to the guests and participants. He discussed about his views about the theme "Protect the Blue and Green, Make the Earth Pristine".

Dr. Rajendra Dobhal, Vice Chancellor, Swami Rama Himalayan University, welcomed the guests and thanked all the members for their tireless efforts in organizing the conference.

Dr.S.K.Goyal, Chief Scientist and Head NEERI addressed the gathering with his encouraging words and thanked the whole team for their relentless efforts for organizing the conference.

Dr. Sankha Chakrabortty, Assistant Professor Kalinga School of Biotechnology/Chemical Technology extended his heartfelt commendation and profound gratitude to the esteemed leadership of "Swami Rama Himalayan University" and "Save the Environment", as well as to all the diligent members of the organizing committee, for their unwavering dedication in materializing this conference.

Further, the abstract book was released.

A total of 52 talks and presentations were made including several **Invited talks**, **oral and poster presentations**.

Following STE Annual Awards for 2023 were presented at the end of first day of conference.

STE Dr. APJ Abdul Kalam Award Dr. Usha Panjwani

STE Dr. Praloy O. Basu Lifetime Achievement Award Dr. Rajendra Dobhal

STE Green Excellence Award Prof. Paromita Chakraborty

STE FELLOWSHIP AWARD
Dr. A. Arunachalam
Dr. Sushil K. Singh
Dr. Biswajit Ruj
Prof. Sunil Kumar

STE International Achiever Award
Prof. Shubhankar Suman

STE Water Award Dr. Prashant Singh Dr. Gaurav Saxena

STE Women Excellence Award Prof. Veena Pande

STE Women Excellence Award
Dr. Amrita Mishra

STE Women Excellence Award Prof. Kusum Arunachalam

STE Women Excellence Award
Dr. Kanchan Karki

STE Humanitarian Award For NGO
Hundred Miles Welfare Association
Kolkata

STE Green Campus Award Swami Rama Himalayan University Jolly Grant, Uttarakhand

STE Innovation Award Mr. Abhrajit Chatterjee

STE Meritorious Award

(For Excellence in Academics and Research)

Dr. Vijay K. Bharti Prof. Sanjay Gupta Dr. Manindra Mohan

STE Best School Principal Award
Mr. John Paramata

STE Young Researcher Award

[Faculty Category]

Dr. Bushra Parveen

Dr. Mhaveer Singh

Dr. Prachi Singh

Dr. Archna Dhasmana

STE Young Researcher Award

Ms. Pranjal

Finally, the conference concluded on 23rd December after a **Field visit** and **Lab tour** at Department of Bio-Sciences, SRHU, Dehradun.













































































































































EWASH 2023 in Uttarakhand Media



समाज के लिए लाभकारी होने चाहिए शोध कार्य : डॉ. विजय राष्ट्रीय सम्मेलन में विशेषज्ञों ने की पर्यावरण, जल, कृषि, स्थिरता और स्वास्थ्य पर चर्चा

देहरादून। डीएवी पीजी कोलिज व संव द एनवायरामेंट संस्था की ओर से पर्यावरण, जल, कृषि, स्थिरता और स्वास्थ्य विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। शुक्रवार को स्वामी राम रिसानवन विश्वविद्यालय में आयोजित सम्मेलन में कृत्वाधियांत डॉ. विजय धस्माना ने कहा कि प्रयोगाशाला के शोध कार्य सम्माज व आम जनमानस के लिए लाभकारी होने चाहिए। व्यिव के कुल्चरी डॉ. एजेंद्र डोभाल ने कहा, बेक्तर शोध कार्यों से समाज को हर

कहा, बेहतर शोध कार्यों से समाज की हर समस्याओं व चुनीतियों का समाधान किया जा सकता है। वहीं, नीरी, दिल्ली जोनल केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एसके गोयल ने प्राकृतिक संसाधनों की अंधाधुन दोहन पर रोक के साथ पर्यावरण संरक्षण में



राष्ट्रीय सम्मलन मा राक्षका का सम्मानित करते अतिथि य अन्य। सक्षर भागिक को अप्रयो बताया। इस मौके पर डॉ. सुन्नील कुमार सिंह, डॉ. प्रत्येक व्यक्ति के योगदान को महत्त्वपूर्ण व चुनीतियों के समाधान के लिए सतत स्वय पूर्णा, डॉ. प्रशीत सिंह, नेव बस्सु, डॉ. अरूरी बताया। डीएयी कॉलेज के प्राचार्य विकास के साथ इको फेंडली उपयो को एचपी उनियाल, डॉ. सीएस नीटियाल, डॉ. सीएस के सरस्थक

इन्हें किया गया सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : विज्ञान शिक्षा संचार एवं पर्यावरण में उल्लेखनीय कार्यों के लिए उत्तराखंड जैव प्रौद्योगिकी परिषद हल्दी पंतनगर के वैज्ञानिक डॉ. मणिन्द्र मोहन मेरिटोरियस अवार्ड फॉर एक्सीलेंस इन एकेडेमिक्स एंड रिसर्च अवार्ड से सम्मानित किये गये हैं।

उन्हें यह पुरस्कार स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय जॉली ग्रांट देहरादुन आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. विजय धस्माना, कुलपति एवं पूर्व महानिदेशक विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग डॉ. राजेन्द्र डोभाल एवं सेव द एनवायरनमेंट संस्था कोलकाता के संरक्षक डॉ. अरुनभा मजुमदार ने संयुक्त रूप से दिया। यहां बता दें कि डॉ.



वैज्ञानिक डॉ . मणिन्द्र को सम्मानित करते कुलाधिपति डॉ . धरमाना व अन्य ।

मणिन्द्र मोहन उत्तराखंड जैव प्रौद्योगिकी परिषद हल्दी पंतनगर में बतौर वैज्ञानिक निदेशक डॉ. संजय कुमार के मार्गदर्शन में कार्यरत हैं। यह पुरस्कार सेव द एनवायरनमेंट संस्था (ए सोसायटी फॉर रिसर्च अवेयरनेस एंड सोशल डेवलपमेंट), कोलकाता की 5वीं वार्षिक बैठक एवं पर्यावरण, जल, कृषि, स्थिरता और स्वास्थ्य (ईवाश-

2023) विषय पर जौलीग्रांट में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान दिया गया। उनकी इस उपलब्धि पर परिषद के निदेशक डॉ. संजय कुमार ने शुभकामनाएं एवं बधाई दी। यहां कार्यक्रम में डॉ. शिप्रा मिश्रा, डॉ. संजय गुप्ता, डॉ. प्रशांत सिंह, डॉ. एचपी उनियाल, डॉ. विकास जादौन सहित सैकडों वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

EWASH 2023 in Uttarakhand Media

देहरादून, शनिवार 23 दिसंबर, 2023 नगर संस्करण * * मूत्व ₹ 7.00 पृष्ठ 18

वनक जागरण

पर्यावरण विशेषज्ञों ने जल के प्रबंधन पर दिया जोर

हिमालयन विश्वविद्यालय में पर्यावरण, जल, कृषि, रिथरता और स्वास्थ्य पर आयोजित दो दिवसीय पर्द्योग कांफ्रेंस में विशेषनों, शिक्षाविदों ने कृषि-औद्योगिक उद्देश्यों और सुधारों के लिए जल प्रबंधन के महत्व पर जोर दिया। शुक्रवार को आदि कैलाश आडिटोरियम में स्वामी राम

ज्ञाडटारयम म स्वामा राम हिमालयन विश्वविद्यालय, सेव दी इनवायरमेंट सोसायटी कोलकाता, गुरुग्राम, डीएवी पीजी कालेज देहरादून व राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कांफ्रेंस में पर्यावरण संरक्षण, जल प्रबंधन आदि के लिए वर्तमान में आवश्यक रणनीति और नीतियों को सामने लाने का प्रयास किया गया। मुख्य अतिथि स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डा. विजय धस्माना ने कहा कि निरंतर प्रौद्योगिकी विकास ने



एसआरएवयु में आयोजित कार्यक्रम में पुस्तक का विमोचन करते अतिथि 🏻 सामार एसआरएवर

चुनौतियों का समाधान करना है।

वैश्विक स्तर पर जीवन को आसान के कुलपति डा. राजेंद्र डोभाल ने लेकोररी डीआरडीओ दिल्ली ने सेव तो बना दिया है लेकिन स्वास्थ्य अपने अध्यक्षीय भाषण में हरित दी इनवायरमेंट सीसायटी व इंवाच चुनौतियां और पर्यावरण (जल, वायु आवरण के संरक्षण और दुनिया के कांप्रेंस के बारे में जानकारी साझा बुन्नातियां और पयांवरण (जल, वायु और मिस्ट्री) पर मानवजीनत दबाव सामने आने संदेश आतर में जी लाज़ित होते हैं। प्रयादाण समाने आने बोले मुद्दों के मान में भी में भी लगातार वृद्धि हुई हैं। प्रयादाण संभी हित्यारकों को शामिल करने विशेष अतिथि डा. अरूनाभा और संपूर्ण मानवता को भरावाई हमारा वाले निरंतर प्रयासों के महत्व पर मजुमदार संस्क्षक सेव दी इनवायरमेंट निरंतर मिशन रहेगा। उन्होंने कहा, विचार साझा किए। इस अवसर पर सोसायटी ने कार्यक्षेत्र के बारे में ईबाश एक अद्भुत प्रयास है जिसका एक सार पुस्तिका का विमोचन करने विस्तृत जानकारी दी। इसके उद्देश्य पर्यांवरण संबंधी मुद्दों और के साथ ही एसटीई वार्षिक पुरस्कार अतिरिक्त प्रोफेसर सुनील कुमार,

टिकाऊ जीवन से संबंधित विभिन्न की घोषणा भी की गई। विज्ञानी डा. युनौतियों का समाधान करना है। सुशील के सिंह एवं अतिरिक्त स्वामी राम हिमालयन विश्विद्यालय निदेशक सालिड स्टेट फिजिक्स

प्राचार्य डीएवी पीजी कालेज देहरादून व डा. एसके गोयल, मुख्य विज्ञानी सीएसआइआर दिल्ली ने पर्यावरण-अनुकूल और हरित दृष्टिकोण अपनाने में हम अपना अधिकतम योगदान कैसे दे सकते हैं विषय पर चर्चां की। इससे पूर्वं हिमालयन स्कूल आफ बायोसांइसेज के प्राचार्यं डा. संजय गुप्ता ने सभी अतिधियों का स्वागत किया। समन्वयक ईवाश-2023 प्रो. प्रशांत सिंह ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।



समाज के लिए लाभकारी होने चाहिए शोध कार्य : डॉ. विजय राष्ट्रीय सम्मेलन में विशेषज्ञों ने की पर्यावरण, जल, कृषि, स्थिरता और स्वास्थ्य पर चर्चा

संवाद न्यूज एजेंसी

देहरादून। डीएवी पीजी कॉलेज व सेव द एनवायरनमेंट संस्था की ओर से पर्यावरण. जल, कृषि, स्थिरता और स्वास्थ्य विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। शुक्रवार को स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय में आयोजित सम्मेलन में कुलाधिपति डॉ. विजय धस्माना ने कहा कि प्रयोगशाला के शोध कार्य समाज व आम जनमानस के लिए लाभकारी होने चाहिए।

विवि के कुलपति डॉ. राजेंद्र डोभाल ने कहा, बेहतर शोध कार्यों से समाज की हर समस्याओं व चुनौतियों का समाधान किया जा सकता है। वहीं, नीरी, दिल्ली जोनल केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एसके गोयल ने प्राकृतिक संसाधनों की अंधाधुन दोहन पर रोक के साथ पर्यावरण संरक्षण में



राष्ट्रीय सम्मेलन में शिक्षकों को सम्मानित करते अतिथि व अन्य। संबाद

प्रत्येक व्यक्ति के योगदान को महत्वपूर्ण व जरूरी बताया। डीएवी कॉलेज के प्राचार्य

चुनौतियों के समाधान के लिए सतत विकास के साथ इको फ्रेंडली उपायों को डॉ. सुनील कुमार ने पर्यावरण के वर्तमान अपनाने की बात कहीं। संस्था के संरक्षक

इन्हें किया गया सम्मानित

विज्ञान, पर्यावरण, शिक्षा, कृषि, जल एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार दिए गए। डॉ. राजेंद्र डोधाल को लाइफ टाइम अधीवमेंट से पुरस्कृत किया गया। जबकि डॉ. विजय पस्माना को ग्रोन केंपस अवार्ड से सम्मानित किया गया। डॉ. सुनिल कुमार को फेलोशिप अवार्ड से नवाजा गया।

डॉ. अरुनभा मनूमदर ने बढ़ते ग्रीन हाउस गैसों की रोकथाम, ठोस व द्रव्य कचरे के उचित प्रबंधन में आम जनमानस की भमिका को अग्रणी बताया।

इस मौके पर डॉ. सुशोल कुमार सिंह, डॉ. संजय गुप्ता, डॉ. प्रशांत सिंह, नंदा बासु, डॉ. एचपी उनियाल, डॉ. सीएस नैटियाल, डॉ. विकास जादौन आदि मौजूद रहे।

Our Kind Sponsor

Metrohm India Private Ltd.

CORPORATE OFFICE:

Metrohm India Private Limited

"Metrohm-SIRI" Towers, 3&4, Fourrts Avenue, Annai Indira Nagar Okkiyam, Thoraipakkam, Chennai - 600097, India

Phone: 044 40440440 | Email: info@metrohm.in | www.metrohm.in